माननीय सदस्यगण,

चतुर्दश बिहार विधान सभा का सप्तम सत्र दिनांक ७ दिसंबर,२००७ से प्रारंभ आज दिनांक १४ दिसंबर,२००७ को समाप्त हो रहा है । इस सत्र में कुल छः: बैठकें हुई ।

प्रभारी मंत्री,वित्त द्वारा बिहार विधान सभा के समक्ष राज्यपाल द्वारा प्रख्यापित बिहार आकस्मिकता निधि (संशोधन) अध्यादेश,२००७ की प्रति सभा-मेज पर रखी गई ।

सभा सचिव द्वारा उदभूत तथा बिहार विधन मंडल के दोनों सदनों द्वारा यथा पारित राज्यपाल महोदय द्वारा अनुमत ४ (चार) विधेयकों की एक विवरणी सभा-पटल पर रखी गई । राज्य के कतिपय जननायकों सहित विशिष्ट व्यक्ति के निधन पर शोक व्यक्त किया गया ।

वित्तीय वर्ष २००७-०८ के द्वितीय अनुपूरक व्यय विवरणी पर सामान्य वाद-विवाद एवं तत्संबंधी विनियोग विधेयक पर सदन द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई । राजकीय विधेयकों में यथा -

१. बिहार आकस्मिकता निधि (संशोधन) विधेयक,२००७
२. बिहार सचिवालय सेवा विधेयक,२००७
३. बिहार नैदानिक स्थापन(नियंत्रण एवं विनियमन) (संशोधन) विधेयक,२००७
४. बिहार रिसर्च सोसायटी (अधिग्रहण) विधेयक,२००७
५. पिछड़े वर्गों के लिए राज्य आयोग (संशोधन) विधेयक,२००७
६. इन्दिरा गांधी आयुर्विज्ञान (संशोधन) विधेयक,२००७
७. न्यायालय फीस (बिहार संशोधन) विधेयक,२००७
८. बिहार पंचायत राज (संशोधन) विधेयक,२००७ एवं
९. बिहार विनियोग (संख्या-४) विधेयक,२००७ को सदन ने पारित किया ।

इस सत्र में लोक महत्व के विषय पर विमर्शके तहत कुल दो विषयों पर यथा - (१) राज्य में बाढ़ की विभीषिका का स्थायी निदान, वर्ष २००७ में बाढ़ की भीषण तबाही की पूर्त्ति केन्द्र सरकार से कराने एवं (२) राज्य में जन वितरण प्रणाली की दुकान से आम लोगों को राशन एवं किरासन तेल नहीं मिलने के कारण उत्पन्न स्थिति के संबंध में सदन में सार्थक एवं गंभीरतापूर्वक विशेष चर्चा हुई ।

दिनांक १२.१२.२००७ को माननीय सदस्य श्री शकील अहमद खान द्वारा उप मुख्यमंत्री,श्री सुशील कुमार मोदी के विरूद्ध दी गई विशेषाधिकार हनन की सूचना पर आसन द्वारा नियमन दिया गया ।

इस सत्र के दौरान सूचना का अधिकार अधिनियम २००५ की धारा २५ (४) के तहत राज्य सूचना आयोग का वित्तीय वर्ष २००६-०७ का वार्षिक प्रतिवेदन तथा बिहार राज्यकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन अधिनियम,२००६ की धारा 11 के आलोक में वित्तीय वर्ष २००७-०८ के बजट प्राक्कलन से संबंधित प्राप्ति एवं व्यय के रूझान के प्रथम एवं द्वितीय तिमाही के परिणाम की प्रति सभा-मेज पर रखी गई । विधान सभा की विभिन्न समितियों का प्रतिवेदन सभा-पटल पर रखे गये ।

क्रमश :

सत्र के दौरान कुल-56 गैर सरकारी संकल्प का प्रस्ताव प्राप्त हुआ, जिसमें सदन के लिए 04 स्वीकृत हुआ । सदन में 49 गैर सरकारी संकल्प का प्रस्ताव वापस लिया गया तथा अस्वीकृत गैर सरकारी संकल्प प्रस्ताव की संख्या- शून्य एवं 03 गैर सरकारी संकल्प का प्रस्ताव व्यपगत हुए ।

सत्र के दौरान कुल-1085 प्रश्नों की सूचना प्राप्त हुई । उसमें कुल-752 प्रश्न स्वीकृत हुए जिसमें 27 अल्पसूचित प्रश्न, 501 तारांकित प्रश्न तथा 224 अतारांकित प्रश्न थे। इन स्वीकृत प्रश्नों में से 45 प्रश्न उत्तरित हुए एवं 200 प्रश्नोत्तर सदन पटल पर रखे गये तथा 04 प्रश्न अपृष्ठ एवं 502 प्रश्न अनागत हुए ।

सत्र के दौरान माननीय सदस्यों द्वारा शून्यकाल के माध्यम से उठाये गये लोक महत्व के कतिपय विषयों पर सरकार द्वारा सदन में वक्तव्य दिये गये ।

इस सत्र में कुल- 145 निवेदन प्राप्त हुए उनमें से 59 स्वीकृत हुए एवं 86 अमान्य हुए । कुल-88 याचिकाएँ प्राप्त हुई, जिनमें 43 स्वीकृत एवं 45 अस्वीकृत हुई । इस सत्र में कुल- 167 ध्यानाकर्षण सूचनाएँ प्राप्त हुई, जिनमें 10 वक्तव्य हेतु स्वीकृत हुए, जिसमें से 06 पर सरकार द्वारा सदन में वक्तव्य दिये गये । शेष 123 सूचनाएँ लिखित उत्तर हेतु विभागों को भेजे गये एवं 38 अमान्य हुआ । कतिपय ध्यानाकर्षण सूचना, प्रश्न एवं ध्यानाकर्षण समिति को सुपूर्द किये गये ।

सत्र के दौरान सदन के सफल कार्य संचालन के लिए माननीय मुख्य मंत्री, नेता विरोधी दल एवं अन्य दलीय नेताओं के साथ ही पक्ष, प्रतिपक्ष के सभी सदस्यों का मैं आभारी हूँ, जिनका भरपूर सहयोग मुझे प्राप्त हुआ । पत्र प्रतिनिधियों, समाचार एजेंसी, प्रेस मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, आकाशवाणी तथा दूरदर्शन के रचनात्मक सहयोग के लिए मैं उन्हें धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ ।

सभा के कार्य संचालन में सभा सचिवालय के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा बिहार सरकार के पदाधिकारियों/कर्मचारियों सहित आरक्षी बल के जवानों ने जिस तत्परता, लगन और निष्ठा से अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन कुशलतापूर्वक किया, इसके लिए वे धन्यवाद के पात्र हैं ।

आज इस लघु सत्र का अवसान ही नहीं हो रहा है, बल्कि वर्ष 2007 का भी अवसान होने वाला है । मुझे विश्वास है, संवैद्यानिक दायित्व एवं सामाजिक कर्त्तव्य का निर्वहन करते हुए हम संसदीय लोकतंत्र की मर्यादा अविरल प्रवाहवान बनाते हुए प्रदेश एवं राष्ट्र की समुन्नति की दिशा में नूतन संकल्प और नवीन वर्ष में नई चेतना तथा नवल उत्साह की भावना लेकर चपल चरण के साथ प्रवेश करेंगे ।

ईद उलफीतर एवं क्रिसमस की शुभकामनाओं के साथ नव वर्ष के शुभागमन में मैं प्रदेश की जनता एवं आपसबों के उज्ज्वल भविष्य, तथा सुखद जीवन की मंगल कामना करता हूँ ।

अब सभा की बैठक अनिश्चित काल तक के लिये स्थगित की जाती है ।